भारत में तंबाकू धूम्रपान में कमी : WHO

drishtiias.com/hindi/printpdf/sharp-drop-in-smoking-tobacco-in-india-says-who-report

चर्चा में क्यों?

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तंबाकू धूम्रपान के प्रसार का प्रतिशत वर्ष 2000 में 19 .4% से घटकर 2005 में 11.5% हो गया।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- इस रिपोर्ट में तंबाकू धूम्रपान का प्रसार 2020 तक 9.8% और 2025 तक 8.5% गिरने का अनुमान लगाया गया है।
- तंबाकू उपयोग का प्रसार उच्च आय वाले देशों की तुलना में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में धीरे-धीरे घट रहा है, क्योंकि इन निम्न तथा मध्यम आय वाले देशों द्वारा शुरू की गई कठोर तंबाकू नियंत्रण नीतियाँ तंबाकू उद्योगों द्वारा लगातार बाधित होती रहती हैं।
- हालाँकि रिपोर्ट में धूम्रपान के रूप में केवल तंबाकू का उपयोग शामिल है, भारत में चबाने वाले तंबाकू के उपयोगकर्त्ताओं की संख्या बहुत अधिक है और इसके कारण अतिरिक्त बोझ पड़ता है।
- धूम्रपान के प्रसार में गिरावट वैश्विक प्रौढ़ तंबाकू सर्वेक्षण (Global Adult Tobacco Survey -GATS) के परिणामों के साथ समन्वित है।
- तंबाकू का उपयोग कैंसर और फेफड़ों की बीमारी का कारण बनता है, लेकिन कई लोगों को पता नहीं है कि यह दिल की बीमारी और पक्षाघात का भी सबसे बड़ा कारण है।
- इस बार 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' के अवसर पर WHO इस तथ्य पर ध्यान आकर्षित कर रहा है कि तंबाकू के कारण केवल कैंसर ही नहीं होता है, यह सचमुच आपके दिल की धड़कन को रोक देता है।

तंबाकू से होने वाली बीमारियों के प्रति अज्ञानता

- इस रिपोर्ट ने तंबाकू से जुड़े कई स्वास्थ्य जोखिमों की जानकारी में भारी कमी का खुलासा किया।
- रिपोर्ट के अनुसार तंबाकू का उपयोग और सेकेंड हैंड धूम्रपान का प्रसार हृदय संबंधी बीमारियों के प्रमुख कारण थे, जिनमें दिल का दौरा और पक्षाघात भी शामिल थे, जिनके कारण प्रतिवर्ष लगभग तीन मिलियन से अधिक मौतें होती हैं।
- हालाँकि कई लोग जानते हैं कि तंबाकू का उपयोग कैंसर के खतरे को बढ़ाता है, लेकिन उन्हें यह जानकारी नहीं है कि तंबाकू के उपयोग से हृदय संबंधी बीमारियाँ भी होती हैं।
- वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण (Global Adult Tobacco Survey) के अनुसार चीन में 60% से ज़्यादा आबादी इस बात से अनजान थी कि धूम्रपान से दिल का दौरा पड़ सकता है।

निष्कर्ष

- वर्ष 2000 से 2016 के बीच तंबाकू के उपयोग में उल्लेखनीय गिरावट आई है, लेकिन विश्व स्तर पर हृदय संबंधी और अन्य गैर-संक्रमणीय बीमारियों (NCDs) से पीड़ित लोगों को मौत से बचाने के लक्ष्य को पूरा करने के क्रम यह कमी अपर्याप्त है।
- भारत में तंबाकू चबाने की एक अनूठी समस्या है। तंबाकू उपयोगकर्त्ताओं में से तीन-चौथाई से अधिक इसका उपयोग चबाने के रूप में करते हैं।
- इसलिए, हमें ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो तंबाकू के इस रूप का हल निकाल सके।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation-WHO)

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) संयुक्त राष्ट्र संघ की एक विशेष एजेंसी है, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य (Public Health) को बढ़ावा देना है।
- इसकी स्थापना 7 अप्रैल, 1948 को हुई थी। इसका मुख्यालय जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में अवस्थित है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. संयुक्त राष्ट्र विकास समूह (United Nations Development Group) का सदस्य है। इसकी पूर्ववर्ती संस्था 'स्वास्थ्य संगठन' लीग ऑफ नेशंस की एजेंसी थी।